



Literacy for a Billion

Movie: Phagun

Year: 1973

आ ...

ओ ...

पिया संग खेलूँ होरी

पिया संग खेलूँ

पिया संग खेलूँ होरी

फागुन आयो री

ओ ...

फागुन आयो री

चुनरिया भिगो ले गोरी

फागुन आयो री

फागुन आयो री

देखूँ जिस ओर

मच रहा शोर

गली में अबीर उड़े

हवा में गुलाल

कहीं कोई हाय

तन को चुराय

चली जाए देती गारी

Song: Piya Sang Khelun Holi

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

पोंछें जाए गाल

करे कोई जोरा जोरी

करे कोई जोरा जोरी

फागुन आयो री

ओ ...

फागुन आयो री

हो ...

कोई कहे सजनी

सुनो पुकार

बरस बाद आए तोहरे द्वार

आज तो ओ मोरी गेंदे की कली

होली के बहाने मिलो एक बार

तन पे है रंग मन पे है रंग

किसी मतवारे ने क्या

रंग दियो डार

हुई

फुलवा के पार

गोरी तोरे गाल

नैनों में गुलाबी डोरें

मुख पे बहार

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*